† बोल्शेविज्म के खिलाफ रक्षक

राइख्सफुहरर-† हेनरिक हिमलर

ओरिजिनल थर्ड राइख बुक से ट्रांसलेटेड:
"Die Schutzstaffel als antibolschewistische
काम्फोर्गनाइजेशन"

Machine Translated by Google

विषयसूची

बोल्शेविज्म	4
पुरिम	4
अन्य उदाहरण	5
फ्रांसीसी/फ्रीमेसन क्रांति	5
रूसी क्रांति	5
हमारे लोग	7
जर्मनिक कानून	7
दिव्य आदेश	7
पशु का अधिकार	8
सांस्कृतिक खोजें	8
पूर्वजों की पूजा	8
साहस और शक्ति	9
खगोल विज्ञान का ज्ञान	9
सबसे पुराना हल	9
वर्णमाला	9
हमारे लोगों का पीड़ादायक इतिहास	9
हरमन द चेरुस्कर	10
जर्मनिक सचिव	10
विडुकिंड की हताश लड़ाई	10
अलेमान युद्ध	10
किसान युद्ध	10
हमारे गुण और दोष	11
हमारी अपनी गलती	11

Machine Translated by Google

आज्ञाकारिता का मार्ग

चर्च और ट्यूटनिक ऑर्डर की सेवा 12

सिसिली में फ्रेडरिक द्वितीय का राज्य 12

पूर्वी प्रशिया में ट्यूटनिक ऑर्डर का राज्य 12

प्रशियाई सेना 12

पुराने फ्रिट्ज़ का प्रशिया 13

मुक्ति के युद्ध 13

1864, 1866 13

विश्व युद्ध 13

फ्यूहरर और राष्ट्रीय समाजवाद 14

शुट्ज़स्टाफ़ेल 14

शुट्ज़स्टाफ़ेल का निर्माण 14

खून और चुनाव के महत्व का ज्ञान 15

स्वतंत्रता की इच्छा और लड़ने की भावना 16

उपलब्धि के परीक्षण 16

निष्ठा और सम्मान 16

आज्ञाकारिता 17

विवाह कानून 17

बच्चे की विजय 18

एसएस-मैन का सम्मान कानून 18

ईश्वर में आस्था 19

रक्त और मिट्टी 20

सुरक्षा सेवा और गुप्त राज्य पुलिस 20

बोल्शेविज्म - आज के ज़माने की घटना नहीं 20

शुट्ज़स्टाफ़ेल 21

Machine Translated by Google

बोल्शेविज्म

आजकल बोल्शेविज़्म के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है। ज़्यादातर लोग सोचते हैं कि बोल्शेविज़्म एक ऐसी चीज़ है जो आज के समय में सामने आई है। कई लोग तो यह भी मानते हैं कि बोल्शेविज़्म - यह यहूदियों का संगठित और नेतृत्व वाला, इंसानियत के खिलाफ संघर्ष - दुनिया के इतिहास में बिल्कुल नया है।

हमारा मानना है कि यह साबित करना ज़रूरी है कि जब से धरती पर इंसान हैं, इंसानों और इंसानों के बीच लड़ाई इतिहास का नियम रही है। यहूदियों की अगुवाई में लोगों के खिलाफ यह लड़ाई, जहाँ तक हम देख सकते हैं, हमारे ग्रह पर जीवन के स्वाभाविक तरीके का हिस्सा रही है। कोई भी आराम से कह सकता है कि ज़िंदगी और मौत की यह लड़ाई उतनी ही कुदरत का नियम है, जितनी इंसान की महामारी से लड़ाई और सेहतमंद शरीर पर महामारी का हमला।

इसलिए यहूदी-बोल्शेविक दुश्मन की चालों को पहचानने के लिए, पुराने समय से लेकर आज तक उनके संघर्ष के तरीकों के कुछ बहुत साफ़ उदाहरणों की स्टडी करना ज़रूरी है।

पुरिम

बाइबिल हमें बोल्शेविक-यहूदी तरीकों से आर्य लोगों के पूरी तरह खत्म होने का एक ऐतिहासिक उदाहरण देती है। यहूदी इतिहास का यह हिस्सा पढ़ें जहाँ लिखा है कि यहूदियों को फारसियों के बीच, सभी शहरों और गाँवों में और राजधानी सूफा में बाँटा गया था। आर्य फारसियों ने इन यहूदियों से होने वाले खतरे को पहचाना। फारस में यहूदी सवाल को सुलझाने की इच्छा मंत्री हामान ने दिखाई थी। राजा, जिसे बाइबिल अहसवेरोस कहती है लेकिन जो असल में ज़ेरेस था, दरबारी यहूदियों की बहुत चालाक साज़िश की वजह से अपनी फारसी पत्नी बस्ती से अलग हो गया था। राजा पर यहूदी लड़कियों, खासकर यहूदी वेश्या एस्तेर का असर था।

हमने पढ़ा कि कैसे, लोगों को पसंद करने वाले और नस्ल के बारे में सोचने वाले मंत्री हामान की मर्ज़ी के खिलाफ़ यहूदियों की बड़ी साज़िश का अंत बेईमान और अंधे राजा ने वफादार मंत्री हामान को यहूदी मर्दोचेई को फाँसी पर चढ़ाने के लिए सौंप दिया। यह घिनौना रिवाज़ बाद में पूरे इतिहास में भी देखा गया। मर्दोचेई को वाइस-किंग बनाया गया। उसने बोल्शेविज़्म की खासियत वाले ठंडे दिमाग, शांत और बेरहम तरीके से अपने ऑर्डर दिए। उसने सबसे अच्छे फारसियों और कस्बों और शहरों में यहूदियों के सभी दुश्मनों को एक खास दिन राजा के हुक्म से सुरक्षित यहूदियों से मरवा दिया।

बाइबिल में लिखा है कि उस दिन 75,000 फारसियों को मार डाला गया था। इसे शाही आदेश से और पक्का किया गया, जिससे अदार महीने की 14 और 15 तारीख को छुट्टी हो गई। आज भी इस छुट्टी को पुरीम के नाम से मनाया जाता है, जो यहूदियों का बड़ा जीत का त्योहार है।

यह साफ़ है कि पुराने फ़ारसी लोग इस झटके से कभी उबर नहीं पाए।

Machine Translated by Google

पूरी दुखद बात यह है कि यहूदी बोल्शेविज़्म से तबाह हुए इस लोगों ने न सिर्फ़ अपना ऊँचा, शुद्ध धर्म, जोरोस्ट्रियनिज़्म खो दिया, बल्कि अपनी मातृभाषा भी खो दी।

दो हज़ार साल बाद ही जर्मन विद्वान बहुत मेहनत और साइंटिफिक मेहनत के बाद पुरानी फ़ारसी भाषा का जर्मन में अनुवाद कर पाए।

बोल्शेविज़्म का रास्ता हमेशा यही होता है: लोगों की लीडरशिप खत्म हो जाती है। वह गुलामी में पड़ जाता है: आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और शारीरिक गुलामी।

लोक के बचे हुए हिस्से, जिनकी अपनी कीमत छीन ली गई और लगातार नस्ल-मिश्रण की वजह से जो खराब हो गए, कुछ सदियों के ऐतिहासिक रूप से छोटे से समय में गायब हो गए। बाद में ही पता चलता है कि ऐसा लोक कभी था।

अन्य उदाहरण

इस धरती पर और कितनी दुखद घटनाएँ हुई हैं - पूरी हुईं या नहीं - हमें नहीं पता। कई मामलों में हम बस यह शक कर सकते हैं कि हम सबके हमेशा के दुश्मन, यहूदी, का इस खेल में किसी न किसी तरह से खूनी हाथ था। सदियों से हम जल्लाद की तलवार को बार-बार गिरते हुए देखते हैं, जैसे कैनस्टाट और वर्दन में हुआ था। हम जलते हुए खंभे देखते हैं जहाँ हज़ारों लोग शहीद हुए थे - हमारे लोगों की माँओं और लड़कियों के कटे-फटे शरीर जलकर राख हो गए थे। अपने मन की आँखों में हम इंक्विज़िशन के ट्रिब्यूनल देखते हैं जिन्होंने स्पेन को खाली कर दिया था, ठीक वैसे ही जैसे तीस साल के युद्ध ने एक ही ज़िंदगी में हमारे फलते-फूलते जर्मन लोगों को 24 मिलियन से घटाकर आधे-भूखे बचे हुए चार मिलियन लोगों में बदल दिया था।

फ्रांसीसी/फ्रीमेसन क्रांति

अब मैं यूरोपियन कंप्लीटनेस के लिए हाल के समय की बात करता हूँ। फ्रेंच क्रांति के टेरर शासन के तरीके

जैकोबिन्स के समय में और "संदिग्धों को हटाने" के कानून के समय में बोल्शेविज़्म पूरी तरह से फैल गया: सुनहरे बालों और नीली आँखों वाले, फ्रांसीसी लोगों के सबसे अच्छे बेटों का कत्लेआम। सच के लिए यह बताना ज़रूरी है कि फ्रांसीसी

क्रांति सिर्फ़ फ़्रीमेसन्स के ऑर्डर की क्रांति थी, यह एक जाना-माना यहूदी संगठन है। फ़्रीमेसन्स ने न सिर्फ़ अपनी "शानदार" क्रांति को माना है, बल्कि वे दुनिया भर के हर लॉज में, यहाँ तक कि सबसे नुकसान न पहुँचाने वाले जर्मन लॉज में भी, इसे अपनी जीत के तौर पर तारीफ़ करते हैं।

रूसी क्रांति

अब मैं रूसी क्रांति पर आता हूँ। तारीखें फिर से बताना मेरा काम नहीं है। इसके बजाय, इस संदर्भ में ज़रूरी बात तरीकों का ज़िक्र है।

सबसे पहले, रूस के सामाजिक रूप से पीड़ित लोगों की नाराज़गी का सिस्टमैटिक तरीके से फ़ायदा उठाया गया और क्रांतिकारी प्रोपेगैंडा के लिए इस्तेमाल किया गया। कई रूसी नेता जो चाहते थे

Machine Translated by Google

गुलामी खत्म करने वाले, खासकर मिनिस्टर स्टोलिपिन, यहूदी अराजकतावादियों द्वारा रूस के फायदे के लिए अपने सुधार करने से पहले ही खत्म कर दिए जाते हैं। रूस को जर्मनी के खिलाफ युद्ध के लिए उकसाने के लिए हर मुमकिन तरीके इस्तेमाल किए जाते हैं। वर्ल्ड वॉर शुरू करने में यहूदी/फ्री-मेसन की भूमिका याद रखें।

बोल्शेविक क्रांति का अगला फेज़ रूस में शुरू होता है। फ्रीमेसनरी इसे "येलो फ्लैग सिस्टम" से "रेड फ्लैग सिस्टम" में बदलाव कहते हैं। पार्लियामेंट की भाषा में: नियम डेमोक्रेटिक-बुर्जुआ पार्टियों से मॉडरेट सोशलिस्ट पार्टी को जाता है - हम सोशल डेमोक्रेट्स और वहाँ मेंशेविकों द्वारा। उनके हेड यहूदी केरेन्स्की हैं, एक ऐसा आदमी जिसके साथ किया गया बर्ताव आर्यन दयालुता का एक क्लासिक उदाहरण है। उनकी यहूदी माँ - अगर मैं यहाँ यह सीख देने वाली बात डाल सकूँ - को अराजकतावादी हमलों में शामिल होने की वजह से मौत की सज़ा सुनाई गई थी, लेकिन आखिरी ज़ार के पिता ने उन्हें माफ़ कर दिया था, क्योंकि वह केरेन्स्की से प्रेग्नेंट थीं।

ठीक यही आदमी, जिसकी ज़िंदगी आर्यों की दया की वजह से थी, आखिरी ज़ार को हटाता है और बोल्शेविज़्म का रास्ता बनाता है।

लेकिन रूस में अभी भी विरोध करने वाली बहुत सारी ताकतें बची हुई थीं। ये लोग फिर से बेरहमी से हमला करने के लिए उकसाए गए। एक बार फिर, आर्यन रूसियों को कसाईखाने भेज दिया गया। आखिरी बार खत्म करना मुमकिन हो गया। एक और बदलाव हुआ, फ्रीमेसन की भाषा में कहें तो, "लाल झंडे का सिस्टम" आखिरी सिस्टम, "काले झंडे का सिस्टम" से बदल दिया गया। पार्लियामेंट की भाषा में: राज नरम सोशलिस्ट पार्टी से रेडिकल सोशलिस्ट पार्टी, बोल्शेविकों के हाथों में चला गया। अब रास्ते में कुछ नहीं बचा। सरकार की पूरी ताकत से यहूदी उन अच्छे लोगों का रेडिकल कत्लेआम पूरा करते हैं जो उनका विरोध करते हैं। बाकी सब डर और दहशत में झुक जाते हैं।

एस्तेर की किताब से कुछ कहा जा सकता है, जहाँ लिखा है: यहूदियों के डर से कई फारसी यहूदी बन गए! काले झंडे के सिस्टम में, कमज़ोर कैरेक्टर वाले सभी गैर-यहूदी यहूदियों के पास चले जाते हैं। वे अपने ही लोगों के खिलाफ़ जल्लाद, मददगार, मददगार आत्माएँ, मुखबिर और जासूस बन जाते हैं।

खत्म करने के इन तरीकों की परफेक्शन रशियन सीक्रेट पुलिस की टैक्टिक्स से देखी जा सकती है। बार-बार, वे खुद ही अपने ही राज के खिलाफ खास एजेंट्स के साथ सिस्टमैटिक तरीके से बगावत करते हैं ताकि बार-बार ऐसे लीडर्स को ढूंढ सकें जो ऐसे बगावत में हिस्सा लेंगे और उन्हें बेअसर कर सकें। हर रेज़िस्टेंस लीडर - इस टॉर्चर किए गए आर्यन लोगों में हर कोई जो अभी भी बोल्शेविकों और यहूदियों के खिलाफ लीडर बनने या सोचने लायक है - गिर जाता है।

अगर आप रूसी क्रांति को देखेंगे, तो आपको 1918 की जर्मन क्रांति से कई मिलती-जुलती बातें मिलेंगी। यहाँ सिर्फ़ इतना फ़र्क था कि एक दयालु भगवान, एक दयालु भगवान ने एक बांध बनाया और विरोध करने वाली ताकतों को बुलाया। सही समय पर, 1919 में, एडॉल्फ़ हिटलर ने अपना काम शुरू किया।

Machine Translated by Google

सब कुछ देखकर, आप अनगिनत और सबूत जोड़ सकते हैं, छोटे और बड़े, राष्ट्रों के इतिहास में बोल्शेविज्म की इस खूनी तस्वीर के लिए।

मुझे नहीं लगता कि आप मुझसे सहमत नहीं होंगे। मैं आपसे कहता हूँ कि आप देखें - आर्यन/जर्मन ऑब्जेक्टिविटी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने वाली खास बातों पर नहीं - बल्कि आम बात पर। आप देखेंगे कि - यहूदियों, इंसानों से कम और उनके सहायक संगठनों में - हमारा सामना चालाक विरोधियों से होता है। वे तबाही मचाने में चालाक और काबिल होते हैं।

वे सैलून में या राज्य मंत्री या राजा के कमरे में हर मौके और संभावना का इस्तेमाल करना जानते हैं। वे हत्या, ज़हर, जानलेवा स्टील का इस्तेमाल, पूरी अनचाही आबादी को भूखा मारना, साज़िश, अलग-अलग नेताओं को बदनाम करना, एक-दूसरे के खिलाफ़ लोगों को खड़ा करना (जो मौत तक दोस्त होने चाहिए), सड़क पर और ब्यूरोक्रेसी के कोनों में लड़ाई, किसानों को उखाड़ फेंकना और धर्म का गलत इस्तेमाल करने में माहिर हैं। वे हमसे बेहतर समझते हैं कि इन लड़ाइयों में शांति की कोई चाबी नहीं है, बल्कि सिर्फ़ जीतने वाला और हारने वाला है और इस लड़ाई में हार का मतलब है लोगों की मौत।

आप यह भी देखेंगे कि इस दुश्मन ने बहुत सारी जीत हासिल की हैं। वह अपने विनाश के झंडे पर उन देशों के नाम लिख सकता था जिन्हें उसने नष्ट किया था।

आप सभी को यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि ये बातें न केवल अतीत और वर्तमान के बोल्शेविज्म से संबंधित हैं, बल्कि भविष्य के बोल्शेविज्म से भी संबंधित हैं।

हमारे लोग

हमारा लोक कितना महान था, उसके विचार कितने ऊँचे थे और उसका स्वभाव कितना परिपूर्ण था न्यायशास्त्र क्या था, यह सब मुझे हमेशा इस बात से पता चलता है:

जर्मनिक कानून

पुराने जर्मन कानून के मुताबिक, कोई भी बिना इजाज़त वाला इंसान प्रकृति में ऐसी किसी भी चीज़ को नष्ट नहीं कर सकता था जो सभी इंसानों के लिए पवित्र हो और भगवान की बनाई हो। हाल के समय तक जर्मन बस्तियों में दूसरे किसानों की सहमति के बिना गांव के अंदर पेड़ काटना मना था। अगर कोई पेड़ काटा जाता था, तो इसके लिए तीन नए छोटे पेड़ लगाने की ज़िम्मेदारी होती थी।

दिव्य आदेश

कानून के इस कॉन्सेप्ट में हमारे पूर्वजों का यह पवित्र विश्वास शामिल था कि जीवन और धरती पर हर चीज़ भगवान ने बनाई है और उसमें आत्मा है। बेवकूफ, बुरे इरादे वाले और बेवकूफ लोगों ने इसे इस कहानी में बदल दिया है कि हमारे पूर्वज देवताओं और पेड़ों की पूजा करते थे। नहीं, पुराने ज्ञान और पुरानी शिक्षाओं के अनुसार, वे

Machine Translated by Google

इस पूरी दुनिया, सभी पेड़-पौधों और जानवरों के साम्राज्य के ईश्वरीय आदेश पर यकीन।

पशु का अधिकार

सिर्फ़ आर्यन, जर्मनिक आदमी ही जानवरों को - जिनका इस दुनिया के अनगिनत दूसरे देशों में कोई हक़ नहीं है - अपने कानून में शामिल कर सकता था। यहाँ भी, हमें मिडिल एज के आखिर तक इसके बचे हुए हिस्से मिलते हैं। यहाँ तक कि उन मामलों में भी जहाँ जानवरों से होने वाला नुकसान साफ़ था, जैसे चूहों का फैलना, हम पुरानी कहानियों से जानते हैं कि सिटी काउंसिल बिना किसी देरी के इन छोटे, लेकिन इंसानों के लिए नुकसान पहुँचाने वाले जानवरों को खत्म करने का ऑर्डर नहीं दे सकती थी। क्योंकि वे भगवान के बनाए हुए थे और भगवान ने उन्हें बनाया था। इसलिए उन पर केस चलाया गया, और अच्छे जर्मन ने छोटे डिफेंडेंट को एक डिफेंस अटॉर्नी भी दिया। कानूनी कार्रवाई और इस बात के सबूत के बाद ही कि छोटे चूहे ने इस धरती के सिस्टम और तालमेल को नुकसान पहुँचाया है, उनके खिलाफ़ कैंपेन का ऑर्डर दिया जा सकता था।

आज हम इन पुराने, हमारे हिसाब से बचकाने विचारों पर हंस सकते हैं।
हम जैसे आज के ज़माने के धर्म से दूर इंसानों के लिए यह बेहतर होगा कि हम इस दुनिया को देखने के नज़रिए की गहराई और महानता के सामने, भगवान में इस गहरी आस्था और भगवान पर आधारित इस व्यवस्था के सामने अपना सिर झुकाएं।

सांस्कृतिक खोजें

मैं आपको और तस्वीरें दिखा सकता हूँ। जब हम खेत के किनारे-किनारे जर्मन मिट्टी में यहाँ-वहाँ खुदाई करते हैं, तो हमें सतह से बस कुछ हाथ नीचे, कीमती तांबा, चांदी और सोने के टुकड़े मिलते हैं। उनकी कारीगरी, कलाकारी और क्लासिकल सुंदरता की क्वालिटी हम मॉडर्न, टेक्नोलॉजी में इतने एडवांस्ड लोगों के लिए मुश्किल से ही हासिल हो पाती है।

पूर्वजों की पूजा

हम एक बड़े पत्थर के कब्रिस्तान के सामने खड़े होते हैं और अपने मन में हमसे हज़ारों साल पहले के लोगों के बारे में सोचते हैं। वे हमारी तरह कंजूस नहीं थे, जो कब्रिस्तान बनाते हैं जिन्हें कुछ पीढ़ियों के बाद साफ़ करना पड़ता है, हड्डियों को एक संदूक में रखकर फिर तोड़ दिया जाता है। बल्कि हमारे पूर्वजों ने हज़ारों सालों तक एक यादगार बनाई, जिसके सामने आज हम श्रद्धा से खड़े हैं। शायद आज हममें से कई लोगों के मन में यह बात फिर से आती है कि पूर्वजों का सम्मान लोगों के लिए ताकत का ज़रिया है, कि हर कोई जो अपने पूर्वजों का सम्मान करता है, वह अपनी महानता और अपनी अहमियत को भी सही पैमाने से मापता है।

Machine Translated by Google

साहस और शक्ति

या फिर मैं फिर से रोमन लेखकों का रोमन इतिहास में आने वाले पहले कबीलों, सिम्ब्री और ट्यूटन्स का ब्यौरा पेश कर सकता हूँ। वे बड़े, बहुत मज़बूत और सुंदर थे।
उनका हमला तेज़ था और उनकी कभी न खत्म होने वाली ताकत ने एक के बाद एक रोमन सेना को तब तक कुचला जब तक वे हमारे पूर्वजों की गलतियों का शिकार नहीं हो गए। फिर वे रोमन डिसिप्लिन और मिलिट्री ऑर्डर से हार गए और खत्म हो गए।

खगोल विज्ञान का ज्ञान

मैं आपको एक शांत तस्वीर दिखा सकता हूँ। जब हम आज मैप देखते हैं और पुरानी बस्तियों को बनाते हैं, तो हम देखते हैं कि वे नंगी आँखों से दिखने वाले पैटर्न से कहीं ज़्यादा एक जैसा पैटर्न बनाती हैं। उन्हें एस्ट्रोनॉमी के ऐसे ज्ञान के साथ बनाया गया था जो आज तक किसी से कम नहीं है। उन्हें उन लोगों ने बसाया था जो उस दिव्य शक्ति के प्रति गहरी श्रद्धा रखते थे जिसने इन तारों के साथ-साथ हमारे तारों को भी बनाया था।

सबसे पुराना हल

एक और शांतिपूर्ण उदाहरण हल है, जो हमारे लोगों का सबसे पुराना हथियार है, जिसे पांच हज़ार साल पहले हमारी ज़मीन से खींचा गया था, जिसमें फसल चक्रण सहित खेती का एक अनोखा, समझदारी भरा तरीका था।

हम यह याद रखना चाहते हैं और इस बात पर ज़ोर देना चाहते हैं कि हमने हल दूसरों से नहीं लिया, बल्कि रोमनों ने हमारे जर्मनिक पूर्वजों से बेहतर हल अपनाया था।

वर्णमाला

आखिरी उदाहरण है रूनिक अल्फाबेट, जो शायद ज़्यादातर लोगों के लिए सभी लिखने के निशानों की जननी है। आर्यन/जर्मन लोगों के शुरुआती पूर्वजों ने इसे जानबूझकर सोचा और बनाया था। हमारे पास अभी भी पुराने ज़माने के कुछ नमूने हैं जिनके बारे में माना जाता है कि उन्हें कुदरत ने खा लिया था, जैसे कि क्लिफ राइटिंग। हम जानते हैं कि कार्ल द फ्रैंक ने अनगिनत दूसरी लिखाईयां इकट्ठा कीं, लेकिन उनके यहूदी बेटे लुडविग द पियस ने एक असहिष्णु चर्च के साथ मिलकर उन्हें लगभग बिना किसी अपवाद के जला दिया।

हमारे लोगों का पीड़ादायक इतिहास

संक्षेप में कहें तो, ये थे हमारे लोक।

लेकिन जब हम इस लोक का इतिहास देखते हैं, तो हमें पिछले 2000 सालों का सबसे तकलीफ़ भरा इतिहास दिखता है, जो एक लोक का हो सकता था - जिसे आत्मा और शरीर के सभी वरदान मिले हों।

Machine Translated by Google

हम सबसे बड़ा सवाल पूछते हैं कि क्यों?

यहां भी, मैं कई उदाहरणों में से कुछ ही उदाहरणों तक सीमित रहना चाहता हूं ताकि फिर जवाब देने की कोशिश कर सकूं।

हरमन द चेरुस्कर

जैसा कि हम जानते हैं, जर्मनिया को रोमन शासन से आज़ाद कराने वाले हरमन द चेरुस्कर थे। उन्हें उनके ही खानदान के, उनके ही खून के लोगों ने मार डाला, जब उनके ससुर ने अपनी बेटी, जो आज़ाद कराने वाले की पत्नी थी, को रोमनों को सौंप दिया था।

जर्मनिक सचिव

मैं आपको रोमन साम्राज्य की पिछली कुछ सदियों की याद दिलाता हूँ। सीज़र का सबसे करीबी साथी एक जर्मनिक आदमी था जिसने रोम के लिए गॉल को ऑर्गनाइज़ किया था। उस समय से, रोमन साम्राज्य की शान और महानता बार-बार जर्मनिक क्रिएटिविटी, जर्मनिक लीडरशिप जीनियस, जर्मनिक लीडरशिप एबिलिटी और जर्मनिक सैनिकों की वजह से बनी रही, जो अपने ही खून के खिलाफ़ खत्म हो चुके और नस्ल के आधार पर बर्बाद रोमन राज्य की सेवा कर रहे थे।

विडुकिंड की हताश लड़ाई

मैं विडुकिंड की उस मुश्किल लड़ाई की बात कर रहा हूँ जो नाकाम हो गई, क्योंकि उसके अपने कबीले और उसके अपने लोगों के अमीर लोग, जो एक ही खून के थे, एक नहीं हो सके और बाद में उन्होंने अपने ड्यूक की पीठ में छुरा घोंप दिया।

अलेमान युद्ध

मैं ऊपर बताई गई एलेमन लड़ाई की बात कर रहा हूँ जो हार गई थी, क्योंकि आज़ाद जर्मन लोग अपने ड्यूक्स को, जो उनके ही खून के थे, घोड़े पर सवार देखना बर्दाश्त नहीं कर सकते थे, क्योंकि इससे वे दूसरों से लंबे हो जाते।

किसान युद्ध

आखिर में मैं किसान युद्धों की बात करता हूँ जहाँ एक बहादुरी भरे संघर्ष के साथ बहुत ज़्यादा गड़बड़ी, बिखराव और अनुशासन की कमी भी थी। एक जर्मन राज्य की सच्ची इच्छा और समझदारी से सोचा गया विज़न - जिसे किसानों के सबसे अच्छे दिमागों ने सोचा था -

एक हारी हुई लड़ाई के बाद लाइलाज, बेवकूफ जर्मनिक आदमियों की खूनी लाशों के साथ कब्र में समा गए। आखिर में बस यही दुखद और गहरी इच्छा बची कि पोते-पोतियां और कामयाबी से लड़ें।

Machine Translated by Google

हमारे गुण और दोष

ज़रूर, हमारी सबसे अच्छी खूबियों में से एक आज़ादी के लिए हमारी मज़बूत इच्छाशक्ति है!
ज़रूर, हमारे खून का चुनाव सबसे अच्छा खून है जो आज भी हमारी जाति की अच्छाई के तौर पर बचा हुआ है। लेकिन, दोनों ही अकेले न सिर्फ़ कल्चरल महानता और बहादुरी भरे संघर्ष की ओर बढ़ावा और ड्राइव हैं, बल्कि सभी जर्मनों के एक महान देश को बनाने में रुकावटें भी हैं और इसलिए हमारे पूरे इतिहास में, सदियों से चली आ रही सभी हारों का कारण भी हैं।

एक जैसे अच्छे खून, घमंडी खुद की कीमत को बहुत ज़्यादा महत्व देने की वजह से, एक अमीर आदमी के लिए किसी और की बात मानना, एक ड्यूक के लिए दूसरे के प्रति वफ़ादार रहना, एक के लिए दूसरे के अधीन रहना नामुमकिन हो गया। एक ही खून के जर्मनिक लोगों ने अपने नेताओं और शासकों के लिए - जो बेशक विडुकिंड से लेकर फ्लोरियन गेयर तक मौजूद थे - कभी भी जर्मन राज्य बनाना मुमकिन नहीं होने दिया। आखिर में, इन गलतियों की वजह से एक के बाद एक साम्राज्य बर्बाद होते गए - गोथ, वैंडल, बरगंडियन, एलेमन और दूसरों के साम्राज्य।

जब जर्मन लोग जर्मनिक भावना पर आधारित राज्य नहीं बना पाए, तो दूसरे जर्मन लोगों ने उन्हें खून-खराबे, आंसू और दुख के साथ विदेशी भावना पर आधारित राज्य स्वीकार करने के लिए मजबूर किया।

हर बार हम वही कहानी देखते हैं: बात न मानना, किसी के अधीन न होना, दुश्मन को कम समझना और पॉलिटिकल हालात और ऐसे फैक्टर्स के लिए एक अवास्तविक इच्छा जो असल में थे ही नहीं। बार-बार एक दुश्मन, चाहे किसी भी रूप में, हमारा सामना करता था, , जो इस धरती पर पॉलिटिकल लड़ाई की असलियत को बिना सोचे-समझे समझता था। वह धीरे-धीरे आगे बढ़ा और बार-बार हमें हराया - कम क्वालिटी, घटिया खून और खराब कल्चर के बावजूद।

हमारी अपनी गलती

इस तरह, हमारे लोगों ने - हम जर्मनों के लिए यह पता लगाना चाहते हैं -
हम अपनी ही गलती से पिछले 2000 सालों से इस मुश्किल रास्ते पर चल रहे हैं।
किसी दुश्मन को बुरा-भला मत कहो क्योंकि उसने हमें हराया है और हमारा खून मांगा है। क्योंकि भगवान की बड़ी दुनिया का कानून, इस धरती का कानून और देशों का कानून यह नहीं गिनता कि उसके बड़े दिल में किसने अच्छा सोचा था, बल्कि यह गिनता है कि कौन जीता।

बहुत से लोग चुपचाप और गुस्से में यह सवाल उठाएंगे: इतनी सारी अच्छाइयों के बावजूद गलती और गलतियों का इतना भयानक पक्का इरादा क्यों? क्या हम भविष्य के लिए भरोसा रख सकते हैं?

हम यहां खुलकर और बिना किसी रोक-टोक के यह कहना चाहते हैं कि हमारे लोगों और हमारे खून के भविष्य में हमारा विश्वास इस बात से ज़्यादा मज़बूत करता है कि, सभी गलतियों और गलतियों के बावजूद,

Machine Translated by Google

इतनी तकलीफ़ के बावजूद, हमारे लोग अभी भी ज़िंदा हैं और आज फिर से महानता हासिल कर चुके हैं। हम किस्मत और अपने खून के काम पर विश्वास करते हैं। पिछले दो हज़ार सालों के इतिहास में, हम सिर्फ़ हार और दुख नहीं देखते, बल्कि सीखने का रास्ता देखते हैं जो हमारे अपने बचाव के लिए ज़रूरी है।

आज्ञाकारिता का मार्ग

चर्च और ट्यूटनिक ऑर्डर की सेवा

इस मिलेनियम की शुरुआत में, चर्च के आदेश के अनुसार, सबसे अच्छे जर्मन खानदानों के लगभग सभी बेटे जो पहले पैदा नहीं हुए थे, चर्च की सेवा में पुजारी और चर्च के अधिकारी के तौर पर शामिल हुए। कई लोगों ने क्रॉस उठाया और जर्मन खून के क्रूसेड पर दूर पूरब की ओर रेगिस्तान की रेत में चले गए। इनमें से कुछ क्रूसेडिंग नाइट्स को नाइट-प्रीस्ट के तौर पर अलग-अलग नाइटली ऑर्डर में ऑर्गनाइज़ किया गया था। वे अपने साथ जर्मन हिम्मत, जर्मन लीडरशिप और जर्मन इनकरेक्टिबिलिटी लाए थे।

उन्होंने रोमन कैथोलिक चर्च के ऑर्डर में आज्ञा मानना, अधीनता और राज्य का अधिकार सीखा - जो खुद चर्च से भी पुराना है।

सिसिली में फ्रेडरिक द्वितीय का राज्य

इस नाइटली ऑर्डर ने सरकारी एडमिनिस्ट्रेशन और तानाशाही आज्ञाकारिता के सिद्धांतों पर आधारित पहले मॉडर्न राज्य को बनाने में हिस्सा लिया, जिसे फ्रेडरिक II ने सिसिली में शुरू किया था। इस जानकारी से भरे हुए, इस ऑर्डर को 13वीं सदी के पहले हिस्से में राजनीतिक रूप से समझदार पुजारी-रईस हरमन वॉन साल्ज़ा ने जर्मन ईस्ट में ट्रांसप्लांट किया। वहाँ इसने ईस्ट में ऑर्डर के जर्मन राज्य की स्थापना की, जिसे आप अच्छी तरह जानते हैं।

पूर्वी प्रशिया में ट्यूटनिक ऑर्डर का राज्य

तब पहली बार जर्मन में आज्ञाकारिता को शामिल करना आसान था
इलाके में ईसाई धर्म के पक्के राज के अलावा, यह बात भी सामने आई कि नस्ल के हिसाब से सबसे अच्छे जर्मन खून के शूरवीर - सबसे अच्छे खानदान के लोग और लड़ाई में माहिर - लोगों पर राज करने वाले लोग थे और ऐसे मिले-जुले खून वाले लोग जो नस्ल के हिसाब से हमारे लोगों के बराबर नहीं थे। कामयाबी और पर्सनैलिटी की वैल्यू चर्च की बात मानने के बाद आती थी।

प्रशियाई सेना

इस पूर्वी प्रशिया से, जिसे ब्रैंडेनबर्ग के इलेक्टर्स ने प्रशिया के राजाओं के तौर पर अपने कब्ज़े में ले लिया था, एडमिनिस्ट्रेशन के ऑर्गनाइज़ेशन, सफ़ाई और सबसे बढ़कर बिना शर्त बात मानने के सिद्धांतों को प्रशिया ने अपनाया। अपने भाड़े के सैनिकों के साथ प्रशिया की सेना जर्मनी के अंदर पूरे डिसिप्लिन का पहला बड़ा स्कूल बन गई। उस समय यह डिसिप्लिन सिर्फ़ सबसे अच्छे लोगों पर आधारित नहीं था।

Machine Translated by Google

इंसान की आत्मा के इरादे, बल्कि कई मामलों में ताकतवर, राज्य की ताकत, सोने और रोजी-रोटी, और सार्जेंट के कोड़े के डर पर निर्भर करते हैं।

पुराने फ्रिट्ज़ का प्रशिया

यह कुछ समय तक चलता रहा, जब तक कि एक बहादुर आत्मा, महान प्रशियाई राजा, ओल्ड फ्रिट्ज़ ने इस अनुशासित सेना को तीन बड़े युद्धों में लीड नहीं किया। शायद यह सच है कि तीसरे सिलेसियन युद्ध की आखिरी लड़ाइयों में भी, कैडेट कोर में आज्ञाकारिता के लिए बेरहमी से ट्रेनिंग पाए प्रशियाई ऑफिसर, मस्कटियर के पीछे अपना कोड़ा लेकर खड़े थे। फिर भी, यह आज्ञाकारिता लीडर के लिए प्यार से, विकसित हो रही प्रशियाई मातृभूमि के लिए प्यार से, और इस बहादुर प्रशियाई सेना का सिर्फ एक भाड़े का सैनिक नहीं, बल्कि एक हीरो होने के सम्मान से पहले से ही और भी बेहतर हो गई थी। पहली बार इस बिना शर्त आज्ञाकारिता में एक धुन सुनाई देती है: आइए हम अपने देश के अच्छे बच्चे बनें।

मुक्ति के युद्ध

एक भयानक हार के बाद अगला कदम 1812 से 1815 के आज़ादी की लड़ाइयों में पीपल्स आर्मी के साथ आया। अमीर बेटे और स्टूडेंट को पहले से ही मिलिशियामैन और प्रशिया की सेना में सैनिकों के तौर पर अपनी मर्ज़ी से बात मानने का मौका मिलने पर गर्व महसूस हो रहा था। फिर इतिहास तेज़ी से आगे बढ़ा। आज़ादी और सम्मान के साथ-साथ बात मानने के विचार भी लोगों के ज़्यादा करीब आ रहे थे।

1864, 1866

स्लेसविग-होल्स्टीनर्स, बवेरियन, वुर्टेमबर्गर्स और दूसरे दक्षिणी जर्मन आज़ादी पसंद करने वाले लोग हैं जो बहुत पहले से अपनी ज़मीन पर रहते आए हैं। उनका विकास कई मामलों में एक जैसा था और हमेशा सीधा नहीं था। लेकिन इसी जज़्बे वाली सेना के साथ प्रशिया न सिर्फ़ 1864 और 1866 में उन्हें हरा सका, बल्कि वह उन्हें अंदर से व्यवस्था और आज्ञाकारिता के लिए जीत भी सका।

जर्मन रीच और उन्हें अंदरूनी यकीन के साथ जोड़ो।

विश्व युद्ध

इतिहास वर्ल्ड वॉर में आधी सदी और आगे बढ़ गया है। सम्मान, आज़ादी और बात मानना और भी करीब आ गए हैं। दो मिलियन सबसे अच्छे जर्मनों ने न सिर्फ़ आज़ादी की लड़ाई के लिए, बल्कि जर्मन सेना के सबसे अच्छे संगठन में सेवा के लिए भी अपनी मर्ज़ी से रिपोर्ट किया।

साढ़े चार साल तक हमें बनाया गया। अब फिर किस्मत ने दिखा दिया कि हमने अभी तक सब कुछ नहीं सीखा है। किस्मत ने उन्हें दिखाया जिन्हें कमांड करना था। वे अक्सर आखिरी, सबसे मुश्किल परीक्षा के समय उस आखिरी आज्ञाकारिता को भूल जाते थे - जब ताज, निशान और सरकारी अधिकार के बाहरी निशान ज़रूरत, कीचड़ और दुख में फीके पड़ जाते हैं -

Machine Translated by Google

यह सम्मान सिर्फ़ उन्हीं लोगों से मिलेगा जो उनके नेताओं को उनके खून के हैं। तब भी, यह तभी मिलता है जब सम्मान, आज़ादी और बात मानने में तालमेल हो। इससे उन लोगों को पता चला जिन्हें बात माननी थी कि कोई भी नाफ़रमानी, भले ही वह चोटिल सम्मान और कथित तौर पर आज़ादी के उल्लंघन से सही लगे, हमेशा अपने ही मालिक पर वार करती है। यह वफ़ादारी का उल्लंघन है, पुरखों का पहला पाप है, और यह अपने ही खून और इसलिए नाफ़रमान इंसान को रसातल में डाल देता है।

फ्यूहरर और राष्ट्रीय समाजवाद

अब हमारे जर्मन लोगों के लिए आज्ञा मानने की राह का - उम्मीद है आखिरी - स्कूल शुरू हो गया था जो टूट रहा था। किस्मत ने हमें फ्यूहरर भेजा।

खुद बड़ी जर्मन सेना के एक आज्ञाकारी सैनिक होने के नाते, उन्होंने हमारे लोगों की आज़ादी, सम्मान और खून की कीमत का पूरा ज्ञान अपने साथ रखा और हमें अपने स्कूल में ले गए। पंद्रह साल के संघर्ष और जीत में उन्होंने पहले कुछ, फिर ज़्यादा से ज़्यादा उन लोगों को ट्रेनिंग दी जिन्हें आज़ादी सबसे ज़्यादा पसंद थी, सबसे ज़्यादा योद्धा जैसे जर्मन खून के लोगों को नेशनल सोशलिस्ट के तौर पर चुना। आज मैं इस कॉन्सेप्ट को समझाता हूँ: ऐसे लोग जो अपनी नस्ल और अपने खून की कीमत को जान-बूझकर मानते हैं और जानते हैं कि कल्चर और महानता के लिए खून सबसे ज़रूरी शर्त है। साथ ही, उन्होंने सबसे कट्टर लोगों में भी आज़ादी और सम्मान की इच्छा की आग को हवा दी, उन्हें और भी ज़्यादा एनर्जी और और भी मज़बूत इच्छा दी। आखिर में, उन्होंने बराबर खून की कीमत, आज़ादी के लिए मज़बूत इच्छा और सम्मान की बहुत गहरी भावना की ताकत को अपनी मर्ज़ी से - और इसलिए और भी ज़्यादा ज़रूरी - आज्ञाकारिता से जोड़ा।

जो खून, सम्मान और आज़ादी की चाहत से पैदा होता है।

मेरा मानना है कि कोई भी इन आँखों से जर्मन इतिहास और हमारे लोगों की तकलीफ़ के अपने ही बनाए रास्ते को फिर से देख सकता है। यह इस दुनिया के हमेशा रहने वाले, अच्छे कानून के हिसाब से एक मकसद दिखाता है। यह एक ही समय में एक इशारा और एक ज़िम्मेदारी है। हमारे लोग अपने मिशन और इस दुनिया के लोगों के बीच उन्हें दिए गए काम के आखिर में नहीं, बल्कि शुरुआत में खड़े हैं।

शुट्ज़स्टाफ़ेल

अब मैं शुट्ज़स्टाफ़ेल पर आता हूँ। यह एडॉल्फ़ हिटलर द्वारा बनाई और ट्रेन की गई नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी का एक हिस्सा है। फ़्यूहरर के मूवमेंट के अंदर, इसे अंदरूनी तौर पर रीच की सुरक्षा का खास काम मिला है।

शुट्ज़स्टाफ़ेल का निर्माण

फ्यूहरर ने 1929 में शुट्ज़स्टाफ़ेल बनाने का ऑर्डर जारी किया और इस ग्रुप को बढ़ाने के लिए 29 जनवरी को एक और ऑर्डर जारी किया। 1929 में हमें यह साफ़ हो गया था कि यह शुट्ज़स्टाफ़ेल अपना काम तभी पूरा कर सकता है जब यह मूवमेंट के फ्यूहरर के बनाए सिद्धांतों और गाइडलाइंस के साथ-साथ इसमें सिखाई गई अच्छाइयों पर पूरी तरह आधारित हो।

Machine Translated by Google

रक्त और चयन के मूल्य का ज्ञान

हमारे लिए पहली गाइडलाइन खून और सिलेक्शन की वैल्यू का ज्ञान था और है। यह ज़रूरी शर्त 1929 में वैलिड थी और जब तक शुट्ज़स्टाफ़ेल है, यह वैलिड रहेगी।

हमने एक ब्रीडर की तरह काम किया जो एक पुराने, अच्छे स्ट्रेन को शुद्ध करना चाहता है जो मिक्स और खराब हो गया है। सबसे पहले, वह तथाकथित बीज चयन के लिए खेत का दौरा करता है।
शुरू में, बाहरी खूबियों के आधार पर, हमने उन लोगों को रिजेक्ट कर दिया जिन्हें हमने शूट्ज़स्टाफ़ेल बनाने के लिए बेकार समझा।

सिलेक्शन उन लोगों पर फोकस था जो ज़्यादातर नॉर्डिक आदमी के फिजिकल आइडियल के सबसे करीब थे। साइज़ और नस्लीय दिखावट जैसी बाहरी खूबियों ने भूमिका निभाई और अब भी निभाते हैं।

मुझे आपको यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि जैसे-जैसे हमें अनुभव मिला, इस प्रोसेस को सालों में बेहतर और कड़ा किया गया। मैं आपसे यह भी कहना चाहता हूँ कि आप इस बात को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त रहें कि यह सिलेक्शन कभी भी रुक नहीं सकता। साल दर साल, हमारी ज़रूरतें और सख्त होती जा रही हैं क्योंकि जर्मनी की नस्लीय स्वच्छता और खून और ब्रीडिंग की बढ़ती समझ जर्मन इंसानियत को ऊपर उठा रही है।

सौ या उससे ज़्यादा सालों में हमारे वंशजों की ज़रूरतें आज की तुलना में किसी व्यक्ति से कहीं ज़्यादा होंगी। हम यह भी जानते हैं कि बाहरी खूबियों के आधार पर चुनाव - जो आज वंशावली और जांच से किया जाता है - सिर्फ़ शुरुआती, सबसे पहला क्राइटेरिया हो सकता है। शूट्ज़स्टाफ़ेल में जीवन के कई सालों तक यह चुनने का प्रोसेस जारी रहना चाहिए। इसके बाद उन लोगों को हटा देना चाहिए जो हमारे कैरेक्टर, विल पावर या इमोशन और इसलिए खून की वजह से हमारे लिए सही नहीं हैं।

हमने जो कानून बनाए हैं, उनके ज़रिए हम भविष्य में यह पक्का करना चाहते हैं कि SS की क्लैन बुक में रजिस्टर्ड SS परिवार का हर बेटा SS कैंडिडेट न बने या SS-मैन बनने का हक भी न मांगे। हम यह पक्का करना चाहते हैं कि इन परिवारों के कुछ ही बेटों को हम SS-मैन के तौर पर हमेशा अपनाएं। पूरे लोगों में से सबसे अच्छे लोगों का चुनाव और खून का बहाव होना चाहिए।

शुट्ज़स्टाफ़ेल में लगातार होता रहता है। - सिलेक्शन के सिद्धांत के बारे में अभी मुझे यही कहना है।

Machine Translated by Google

स्वतंत्रता की इच्छा और लड़ने की भावना

दूसरी गाइडलाइन और अच्छाई जिसे हम शूट्ज़स्टाफ़ेल में भविष्य के लिए हमेशा रहने वाली खासियत के तौर पर बढ़ावा देने की कोशिश करते हैं, वह है आज़ादी की इच्छा और लड़ने का जज़्बा।

उपलब्धि के परीक्षण

हमारी हमेशा से हर लड़ाई और हर पोजीशन में बेस्ट बनने की चाहत रही है। हमें हर उस आदमी और हर फॉर्मेशन में खुशी होती है जिसकी कामयाबियां और लड़ने का जज़्बा हमारे बराबर या उससे बेहतर हो। क्योंकि जो कोई भी हमारे बराबर है, वह जर्मनी के लिए फायदेमंद है। वह हमारे लिए इस बात का भी सबूत है कि हमारे पास बहुत कम एनर्जी थी और हमें लड़ने की अपनी इच्छा को पक्का करने और खुद के खिलाफ अपनी मजबूती को मजबूत करने के लिए अपनी कोशिशें दोगुनी करनी होंगी।

सबसे मुश्किल स्कूल - जिसमें हममें से हर किसी को पूरी ज़िंदगी जाना पड़ता है - और कामयाबी के टेस्ट - जिन्हें हममें से हर किसी को साल दर साल पास करना पड़ता है - यह पक्का करते हैं कि हर इंसान की हिम्मत और लड़ने के जज़्बे का, खासकर लीडरशिप ग्रुप का, बार-बार टेस्ट हो। ये सालाना टेस्ट एक ही समय में हमारे रैंक में उस लापरवाही से भी बचाएंगे जो अक्सर जर्मन लोगों के लिए जानलेवा खतरा बन जाती है।

इसके अलावा, एक कम्युनिटी जो बुढ़ापे तक रेगुलर इंटरवल पर फिजिकल और विल पावर की अचीवमेंट्स की मांग करती है, वह सिंपल ही रहेगी। लंबे समय में यह अपने आप उन चीजों को रिजेक्ट कर देगी जो आरामदायक ज़िंदगी के लिए अच्छी हो सकती हैं, लेकिन जो जर्मनी के लिए हमारी ताकत को कमजोर करती हैं और लड़ने की भावना को कमजोर कर सकती हैं।

निष्ठा और सम्मान

शूट्ज़स्टाफ़ेल के विकास और सार के लिए ज़रूरी तीसरी गाइडलाइन और खूबी लॉयल्टी और ऑनर के कॉन्सेप्ट हैं। इन्हें दो स्टेटमेंट में बताया गया है। एक स्टेटमेंट हमें फ़्यूहरर ने दिया था: “मेरा ऑनर लॉयल्टी है!” दूसरा पुराने जर्मन राइट से आया है: “सारा ऑनर लॉयल्टी से आता है।”

हम SS-मैन को सिखाते हैं कि इस धरती पर बहुत सी चीज़ें माफ़ की जा सकती हैं, लेकिन एक चीज़ कभी नहीं, यानी बेवफ़ाई। जो कोई भी वफ़ादारी तोड़ता है, वह खुद को हमारी कम्युनिटी से अलग कर लेता है। क्योंकि वफ़ादारी दिल की बात है, दिमाग की नहीं। दिमाग विरोध कर सकता है। यह अक्सर नुकसानदायक होता है, लेकिन कभी भी ठीक नहीं किया जा सकता। लेकिन दिल को हमेशा वैसे ही धड़कना चाहिए। अगर यह रुक जाता है, तो आदमी मर जाता है - ठीक वैसे ही जैसे कोई इंसान वफ़ादारी तोड़ने पर मर जाता है। यहाँ हमारा मतलब हर तरह की वफ़ादारी से है: फ्यूहरर के प्रति और इसलिए जर्मन/जर्मनिक लोगों, उनकी मर्ज़ी और उनके जैसे लोगों के प्रति वफ़ादारी; खून के प्रति, अपने पुरखों और अपने पोते-पोतियों के प्रति वफ़ादारी; अपने खानदान के प्रति वफ़ादारी; साथी के प्रति वफ़ादारी; और तहज़ीब, साफ़-सफ़ाई और शिष्टता के पक्के नियमों के प्रति वफ़ादारी। कोई सिर्फ़ वफ़ादारी और सम्मान के ख़िलाफ़ पाप नहीं करता अगर

Machine Translated by Google

कोई भी इंसान चुपचाप अपनी या शूट्ज़स्टाफ़ेल की इज़्ज़त खराब होने देता है। वह सबसे ज़्यादा इसके खिलाफ़ पाप करता है अगर वह दूसरों की इज़्ज़त का सम्मान नहीं करता, अगर वह उन चीज़ों का मज़ाक उड़ाता है जो दूसरों के लिए पवित्र हैं या अगर वह गैर-मौजूद, कमज़ोर और बेसहारा लोगों के लिए मर्दाना और शालीनता से खड़ा नहीं होता।

आज्ञाकारिता

हमारे लिए चौथी गाइडलाइन और गुण है आज्ञा मानना, बिना शर्त आज्ञा मानना जो ऊँची वॉलंटियरिंग से, हमारे दुनिया को देखने के नज़रिए की सेवा से आती है। हम गर्व, बाहरी इज़्ज़त या दूसरी चीज़ों का कोई भी, बिल्कुल कोई भी त्याग करने को तैयार हैं जो हमें पर्सनली प्यारी और कीमती हैं। यह आज्ञा मानना एक बार भी नहीं हिचकिचाता, बल्कि यह फ्यूहरर या किसी भी सही सुपीरियर से आने वाले हर ऑर्डर को बिना शर्त मानता है। यह आज्ञा मानना संघर्ष के उस समय चुप रहा जब आज़ादी की इच्छा चीखना चाहती थी। इस आज्ञा मानने के लिए दुश्मन पर चौकस नज़र रखने की ज़रूरत थी - जब तक ऐसा करने का आदेश न दिया जाए, उंगली भी नहीं हिलानी थी। इसका मतलब हमले के समय बिना शर्त आज्ञा मानना भी था, भले ही उसे शायद अपने दिल में लगे कि वह ऐसा नहीं कर सकता।

हम इतने ईमानदार हैं कि हम यह दावा नहीं करते कि हममें से हर एक ने, आखिरी आदमी तक, इन सभी नियमों को पूरी तरह समझ लिया है। लेकिन हमें लगता है कि हम कह सकते हैं कि ज़्यादातर शूट्ज़स्टाफ़ेल पिछले छह सालों से इन्हीं नियमों के हिसाब से बना है, कि यह इन्हीं पर बना है और इन्हीं के हिसाब से जीता है। हम जानते हैं कि हमें हर साल इन गुणों को ज़्यादा से ज़्यादा अपनाना होगा, जिससे वे हर SS-मैन की खुद-ब-खुद प्रॉपर्टी बन जाएं। हमें यकीन है कि अब से कई साल बाद, जब भी किस्मत तय करेगी और इस शूट्ज़स्टाफ़ेल की पहली पीढ़ी नहीं रहेगी, हम इन गुणों को एक पूरी विरासत और सबसे अच्छी परंपरा के तौर पर उन लोगों तक पहुंचा पाएंगे जो हमारे बाद SS-मैन बनेंगे।

विवाह कानून

इन गाइडलाइंस और अच्छाइयों के हिसाब से हमने खुद को कानून दिए हैं और अपनी कम्युनिटी की ज़िंदगी को बेहतर बनाया है और दूर के भविष्य के लिए रास्ता तय किया है। पहला कानून 1931 में SS कानून के तौर पर बनाया गया था, जिसके तहत हर SS-मैन के लिए शादी और सगाई की इजाज़त ज़रूरी थी। हमने इसके नतीजे भुगते हैं।

खून की कीमत की पहचान से। हम जानते हैं कि कबीले के बारे में सोचे बिना नस्ल के लोगों को इकट्ठा करना बेकार होगा। हम सैनिक और दूसरे मर्दों के संगठन की गलतियाँ नहीं करना चाहते जो सदियों तक टिके रह सकते हैं लेकिन फिर खत्म हो जाते हैं, क्योंकि खानदान में खून का बहाव और कबीले की परंपरा की कमी होती है। हम पूरे यकीन से जानते हैं कि एक समुदाय भविष्य का रास्ता दिखाने में तभी कामयाब हो सकता है जब उसमें शुरुआती समय के पुरखों के लिए आदर हो और अगर वह लोगों की हमेशा रहने वाली शुरुआत के यकीन के साथ जिए। हम यह तभी जानते हैं जब खून की पहचान को एक पवित्र विरासत के तौर पर समझा जाए - और यह कि एक नस्ल के हिसाब से पवित्र कबीला

Machine Translated by Google

आगे बढ़ाना होगा - एक जाति और एक लोग हमेशा की ज़िंदगी जी सकते हैं। हम इस यकीन से भरे हुए हैं कि सिर्फ़ वही पीढ़ी जो पुरखों और वंशजों के बीच है, अपने काम और अपनी ज़िम्मेदारी के लिए सही पैमाना समझती है और इंसान के अपने, मरने वाले रूप की छोटी-छोटी बातों को समझती है।

बच्चे की विजय

हमने सीखा है कि सिर्फ़ वही आदमी सफलता के समय में भी विनम्रता सीखता है और ज़्यादा आत्मविश्वास और घमंड की गलतियों से बचता है। इसी तरह, सिर्फ़ ऐसे लोग ही सबसे बड़ी मुश्किल के समय को उसी मज़बूत शांति से झेल सकते हैं, जैसा उन्होंने अच्छी किस्मत के समय में दिखाया था, और स्पार्टन सादगी में रहते थे। हम अपने SS-पुरुषों को - शादी के कानून और सही साथी चुनने से परे - सिखाते हैं कि हमारा पूरा संघर्ष, वर्ल्ड वॉर में बीस लाख लोगों की मौत, पिछले पंद्रह सालों का राजनीतिक संघर्ष और हमारी सीमाओं की रक्षा के लिए हमारे वेहरमाच का विस्तार, सब बेकार और बेकार होगा, अगर जर्मन भावना की जीत के बाद जर्मन बच्चे की जीत नहीं होती।

हमने यह अपना एक काम बना लिया है कि हम सिर्फ़ बातें न करें, बल्कि अपने काम और मिसाल के ज़रिए आगे बढ़ें। हम आज और भविष्य में अपने आदमियों को यह समझाएँगे कि हमारे लोगों में सबसे पवित्र और कीमती इंसान वह माँ है जो अपने पवित्र फ़र्ज़ के प्रति जागरूक है, और जर्मन बच्चा सबसे कीमती चीज़ है।

एसएस-मैन का सम्मान कानून

SS ने 9 नवंबर, 1935 को एक और कानून बनाया कि हर SS-मैन को हथियार से अपनी इज्ज़त बचाने का हक और फर्ज है। यह कानून साथ ही यह भी बताता है कि SS ऑर्डर के हिसाब से SS-मैन कौन है। हर SS मेंबर को 1 14 साल तक ट्रेनी के तौर पर काम करना होता है, फ्यूहरर को अपनी SS-ओथ देनी होती है, इज्ज़त से अपनी वर्क सर्विस और वेहरमाच सर्विस करनी होती है और उसकी उम्र कम से कम 21 साल होनी चाहिए। फिर उसे SS-डैगर दिया जाता है और उसे SS-ऑर्डर में एक पूरे SS-मैन के तौर पर मान लिया जाता है। हममें से हर कोई एक SS-मैन है, चाहे वह भर्ती हुआ आदमी हो या ऑफिसर या राइख्सफ्यूहरर।

हमने खुद को यह ऑनर लॉ दिया है, क्योंकि हमें यकीन है कि सिर्फ़ वही आदमी जो जानता है कि एक दिन कहीं भी उसके हर काम और बात का हिसाब लिया जा सकता है, वही हमारे समुदाय का आखिरी मतलब समझ पाएगा और ज़िंदगी के एक बेदाग, साफ़ सिपाही की तरह अपने लोगों की सेवा करना सीखेगा। क्योंकि यह ऑनर लॉ उसे अपनी इज़्ज़त बचाने के लिए मजबूर करता है, ठीक वैसे ही जैसे यह दूसरों से उसकी इज़्ज़त करने की मांग करता है। यह अपने साथियों, अपने देशवासियों और अपने साथी इंसानों के प्रति उसूल, अच्छाई और दरियादिली को एक फ़र्ज़ के तौर पर लागू करता है।

अब मैं कुछ समस्याओं पर अपनी बात रख सकता हूँ। पहली: “SS-मैन के लिए 50 सवाल और जवाब” नाम की एक बुकलेट में, पहला सवाल है: “आपकी शपथ क्या है?”

Machine Translated by Google

ईश्वर में आस्था

जवाब है: "हम आपसे, एडॉल्फ हिटलर, जर्मन राइख के फ्यूहरर और चांसलर के तौर पर, वफ़ादारी और हिम्मत की कसम खाते हैं। हम आपसे और आपके द्वारा नियुक्त सीनियर्स से मौत तक बात मानने का वादा करते हैं। इसलिए हे भगवान, हमारी मदद करें!"

दूसरा सवाल है: "तो आप ईश्वर में विश्वास करते हैं?"

जवाब है: "हाँ, मैं भगवान में विश्वास करता हूँ!"

तीसरा सवाल है: "आप उस व्यक्ति के बारे में क्या सोचते हैं जो ईश्वर में विश्वास नहीं करता?"

जवाब है: "मैं उसे घमंडी, घमंडी और बेवकूफ़ मानता हूँ। वह हमारे लिए सही नहीं है।"

मैंने आपको ये तीन सवाल और जवाब इसलिए बताए हैं ताकि धर्म पर हमारा स्टैंड साफ-साफ बता सकूं। यकीन मानिए, हम इतनी मजबूत टीम नहीं बना पाते, अगर हमें उस भगवान पर पक्का यकीन और भरोसा न होता जो हमारे ऊपर है, जिसने हमें, हमारी मातृभूमि, हमारे लोगों और धरती को बनाया है, और जिसने हमें हमारा फ्यूहरर भेजा है।

हमें पक्का यकीन है कि इस धरती के हमेशा रहने वाले नियमों के अनुसार हमें अपने हर काम, हर शब्द और हर सोच पर कायम रहना चाहिए।

हमारा मन जो कुछ भी सोचता है, हमारी ज़बान बोलती है और हमारा हाथ जो कुछ भी करता है, वह अपने काम के साथ नहीं रुकता, बल्कि यह एक ऐसा कारण है जिसका असर होगा, एक ऐसा रास्ता जो हम पर और हमारे लोगों पर आशीर्वाद या श्राप के रूप में लौटेगा। मेरा यकीन मानिए, इस सोच वाले लोग नास्तिक बिल्कुल नहीं हैं। हम खुद को नास्तिक कहकर बदनाम होने नहीं देंगे - पैगन शब्द का गलत इस्तेमाल करके - सिर्फ इसलिए कि हम एक कम्युनिटी के तौर पर किसी खास पंथ या सिद्धांत को नहीं मानते या अपने किसी भी आदमी से इसकी मांग नहीं करते। हम खुद को धार्मिक/चर्च/पंथ की एक्टिविटी और पॉलिटिकल/दुनिया को देखने वाले लोगों की फौज के बीच एक साफ और अलग लाइन खींचने का हक और आज़ादी देते हैं, और हम किसी भी उल्लंघन का डटकर मुकाबला करेंगे। इसी तरह, हम अपने आदमियों को सिखाते हैं -

इस इलाके में हमारे लोगों को पहले भी बहुत गुस्सा और बुरे अनुभव हुए हैं, फिर भी हम हर उस चीज़ का सम्मान करते हैं जो किसी भी साथी के लिए पवित्र है - उसकी पढ़ाई और विश्वास की वजह से - बिना किसी बात या काम से बेइज्जती किए।

Machine Translated by Google

रक्त और मिट्टी

दूसरा अहसास जो मैं आप जर्मन किसानों के सामने प्रस्तुत करता हूं, राइख्सफुहरर एसएस के रूप में, जो खुद खून और सार में एक किसान है। शुरू से ही शूट्ज़स्टाफ़ेल द्वारा प्रस्तुत रक्त की अवधारणा मौत के लिए बर्बाद हो जाती, अगर यह अविभाज्य रूप से मिट्टी के मूल्य और पवित्रता के विश्वास से बंधी न होती। शुरू से ही जाति और निपटान के लिए मुख्य कार्यालय ने अपने नाम में "रक्त मिट्टी" की अवधारणा को एक अलग सूत्रीकरण में निर्धारित किया है, लेकिन एक ही अर्थ के साथ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि यह कोई संयोग नहीं है कि जर्मन रीच का रीच किसान नेता वर्षों से एसएस से जुड़ा रहा है और ओबरग्रुपेनफ्यूहरर के रूप में इस जाति और निपटान मुख्य कार्यालय का प्रमुख है। यह भी कोई संयोग नहीं है कि मैं एक किसान हूं और मैं रीच किसान परिषद से संबंधित हूं।

न तो किसान और न ही SS-पुरुष ऐसे लोगों में से हैं जो फालतू में बहुत सारी अच्छी बातें करते हैं। यह साफ-साफ कहा जा सकता है कि जैसा पहले था, वैसा ही आगे भी रहेगा। एडॉल्फ हिटलर के किसान जहां खड़े होंगे, उनके साथ हमेशा शूट्ज़स्टाफेल उनके सबसे वफादार दोस्त के तौर पर रहेगा। इसी तरह,

हम जानते हैं कि एडॉल्फ हिटलर का शुट्ज़स्टाफ़ेल जहां खड़ा है, जर्मन किसान उसके साथ सबसे अच्छे साथी और दोस्त के तौर पर खड़ा है। आज भी ऐसा ही है और भविष्य में भी ऐसा ही रहेगा।

सुरक्षा सेवा और गुप्त राज्य पुलिस

मुझे पता है कि जर्मनी में बहुत से लोग हैं जिन्हें यह काली यूनिफॉर्म देखकर बुरा लगता है। हम यह समझते हैं और हमें उम्मीद नहीं है कि बहुत से लोग हमसे प्यार करेंगे। हमें उन सभी का सम्मान करना चाहिए और हम करेंगे जो जर्मनी को प्यार करते हैं। जिन लोगों का फ्यूहरर और देश के प्रति बुरा ज़मीर है, उन्हें हमसे डरना चाहिए। इन लोगों के लिए हमने सिक्योरिटी सर्विस नाम का एक ऑर्गनाइज़ेशन बनाया है। SS के तौर पर हम सीक्रेट स्टेट पुलिस में सर्विस के लिए लोग भी देते हैं। हम जर्मनी की अंदरूनी सिक्योरिटी की गारंटी देने का अपना काम लगातार पूरा करेंगे, ठीक वैसे ही जैसे जर्मन वेहरमाच बाहर से राइख के सम्मान, महानता और शांति की सुरक्षा की गारंटी देता है। हम यह पक्का करेंगे कि जर्मनी में, जो यूरोप का दिल है, फिर कभी अंदर से या बाहर से आए दूतों द्वारा यहूदी-बोल्शेविक इंसानियत से कमज़ोर क्रांति न भड़के। हम इन सभी ताकतों के लिए - जिनके होने और काम के बारे में हम जानते हैं - एक बेरहम जल्लाद की तलवार बन जाएंगे, चाहे आज हो या दशकों या सदियों में।

बोल्शेविज्म - कोई समकालीन घटना नहीं

मैं शुरुआत में वापस आता हूँ और फिर से इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि बोल्शेविज़्म कोई आज की चीज़ नहीं है जिस पर बहस करके उसे खत्म किया जा सके या जिसे हम चाहें तो नज़रअंदाज़ कर सकें। हम उसे जानते हैं, यहूदी, वो लोग जो सबकी बर्बादी से बने हैं।

Machine Translated by Google

इस धरती के लोग और देश, जिन पर इसने अपने यहूदी खून का ठप्पा लगाया है। इसकी इच्छा दुनिया पर राज करना है, इसकी चाहत तबाही है, इसकी इच्छा खत्म करना है, इसका धर्म भगवान को न मानना है और इसका विचार बोल्शेविज़्म है। हम उसे कम नहीं आंकते, क्योंकि हम अपने लोगों के ईश्वरीय मिशन में विश्वास करते हैं और हम एडॉल्फ हिटलर के नेतृत्व और काम के ज़रिए अपनी फिर से ज़िंदा हुई ताकत में विश्वास करते हैं।

शुट्ज़स्टाफ़ेल

हम फ्यूहरर के आदेश पर स्थापित शूट्ज़स्टाफ़ेल के रूप में इस पुनर्जीवित लोगों के भीतर खड़े हैं और बढ़े हैं। यद्यपि मैंने आज आपको एसएस के संगठन, नींव और कार्य का वर्णन करने की कोशिश की, कोई भी हमें तब तक नहीं समझेगा जब तक वे अपने खून और दिल से आंतरिक रूप से कोशिश न करें। यह समझाया नहीं जा सकता है कि हम, संख्या में इतने कम, लगभग दो लाख जर्मन लोगों के भीतर, हमारे अंदर यह ताकत क्यों है। यह तार्किक रूप से समझाया नहीं जा सकता है कि आज हममें से हर कोई जो काली वर्दी पहनता है, चाहे वह कहीं भी हो, हमारे इस समुदाय की ताकत से आगे बढ़ता है। चाहे वह रेस के घोड़े की काठी पर हो, जिम में तलवारबाजी कर रहा हो, एक अधिकारी के रूप में सेवा कर रहा हो, एक निर्माण कार्यकर्ता के रूप में पत्थर ले जा रहा हो, उच्च सरकारी पद पर आसीन हो, एक सैनिक के रूप में सेवा कर रहा हो, जर्मन भावना के कार्य कर रहा हो

हममें से हर कोई जानता है कि वह अकेला नहीं खड़ा है, बल्कि दो लाख आदमियों की यह ज़बरदस्त ताकत एक साथ खड़ी है।
उसे बहुत ज़्यादा एनर्जी मिलती है, जैसे उसे पता हो कि वह अपनी कम्युनिटी के इस ब्लैक कॉर्प्स का रिप्रेज़ेंटेटिव है। उसे अपनी पोस्ट पर सबसे अच्छी अचीवमेंट के साथ इसका सम्मान करना चाहिए। इसलिए, हम एक नेशनल सोशलिस्ट, नॉर्डिक पक्के इरादे वाले लोगों के सैनिक ऑर्डर के तौर पर और दूर के भविष्य के रास्ते पर कबीलों के एक कसम खाए हुए कम्युनिटी के तौर पर अटल कानूनों के अनुसार इकट्ठा होते हैं और मार्च करते हैं। हम चाहते हैं और हमें विश्वास है कि हम न सिर्फ़ वे पोते-पोतियां होंगे जिन्होंने ज़्यादा कामयाबी से लड़ाई लड़ी, बल्कि उससे भी आगे जर्मन/जर्मनिक लोगों की हमेशा की ज़िंदगी के लिए ज़रूरी दूर की आने वाली पीढ़ियों के पूर्वज होंगे।

Machine Translated by Google